

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...



वर्ष - 10 अंक 12, 06 जुलाई से 12 जुलाई 2025 मूल्य - 10 रुपये । पृष्ठ 8

रिद्धि डोगरा ने दिया जीवन का मूल मंत्र, दिखावे में अपनी जड़ों को ना भूलें 3

केदारनाथ यात्रा भी रुकी... उत्तराखंड में भारी बारिश का कहर

दरक रहे पहाड़, केदारनाथ के पास भूस्खलन से 3 श्रद्धालुओं की मौत, 113 सड़कें बंद

नई दिल्ली

उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण हालात बिगड़ गए हैं। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन हुआ। इस हादसे में तीन लोगों की जान चली गई, और आठ घायल हो गए। छोटी गदरा के पास मलबा गिरने से यह घटना हुई। रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है, जिससे प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं देश में भी चारों ओर बारिश का कहर जारी है।

अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे के घरों को खाली कराया गया है। बदरीनाथ और केदारनाथ हाईवे भी जगह-जगह बंद हो गए हैं। अलकनंदा नदी का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे बने घाटों तक पानी पहुंच गया है। गंगोत्री धाम के पास तीर्थयात्री जाम में फंसे रहे।

भारी बारिश के कारण सड़कें बंद

उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण 113 सड़कें बंद हो गई हैं, जिनमें दो नेशनल हाईवे भी शामिल हैं। इनमें से अधिकांश सड़कें मलबा, पत्थरों के गिरने और लैंडस्लाइड के कारण बंद हुई हैं। दो नेशनल हाईवे बंद हैं। जिनमें बीआरओ की तीन सड़कें और स्टेट हाईवे की दो सड़कें शामिल हैं।



बढ़ेगा बारिश का दायरा

बिलासपुर-सरगुजा संगम में अलर्ट भी रायपुर। अब तक उत्तर और दक्षिण में असर दिखा रही बारिश का दायरा एक बार फिर बढ़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग द्वारा अगले चौबीस घंटे में बिलासपुर और सरगुजा संगम में भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है।

बोल्डर गिरने से पैदल मार्ग पूरी तरह से बाधित

रुद्रप्रयाग जिले में भारी बारिश के कारण एक नेशनल हाईवे और 5 ग्रामीण मोटर मार्ग मलबा और पत्थरों के गिरने से अवरुद्ध हो गए हैं। केदारनाथ यात्रा भी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। गौरीकुंड से एक किमी आगे मलबा और बोल्डर गिरने से पैदल मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया है।

सप्ताह भर बाद भी आवाजाही

प्रभावित : यमुनोत्री हाइवे पर वाहनों का आवागमन पिछले एक सप्ताह से रुका हुआ है एक सप्ताह बाद भी वाहनों की आवाजाही शुरू नहीं हो सकी है जिस कारण यमुनोत्री धाम में सक्काटा है स्थानीय लोगों को रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो रही है सीमा सड़क संगठन हाईवे दुरुस्त कर रहा है।

देश के मौसम का हाल

यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक पानी-पानी

उत्तर प्रदेश से लेकर हिमाचल तक और महाराष्ट्र तक बादलों की गड़गड़ाहट और भारी बारिश छाई हुई है। कहीं हल्की बौछारे तो कहीं भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, केरल कर्नाटक के उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जैसे इलाकों में आज भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। दिल्ली-एनसीआर में भी 8 जुलाई तक गरज के साथ हल्की बारिश का अनुमान है।

संसद को भी संबोधित किया

मोदी को मिला त्रिनिदाद और टोबैगो का सर्वोच्च सम्मान



त्रिनिदाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को त्रिनिदाद और टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से सम्मानित किया गया। त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला पसाद-बिस्सेसर ने पूरे मंत्रिमंडल के साथ एयरपोर्ट पर मोदी का भव्य स्वागत किया। सभी मंत्री पारंपरिक भारतीय परिधानों में नजर आए। एयरपोर्ट पर भारतीय पौराणिक पात्रों की वेशभूषा में कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जो पीएम मोदी के होटल पहुंचने तक जारी रहीं। होटल में प्रवासी भारतीयों ने 'भारत माता की जय' और 'मोदी-मोदी' के नारों के साथ प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया।

संसद में बोले- दोनों हमारे पुराने दोस्त

पीएम मोदी ने शाम को वहां की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित रेड हाउस में आपसे बात करने वाला पहला भारतीय प्रधानमंत्री होने पर मुझे गर्व है। इस ऐतिहासिक लाल इमारत ने स्वतंत्रता और सम्मान के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो के लोगों के संघर्ष और बलिदान को देखा है। हमारे दोनों राष्ट्र औपनिवेशिक शासन की छाया से निकलकर अपनी स्थाई के रूप में साहस और अपनी कलम के रूप में लोकतंत्र के साथ अपनी कहानियाँ लिखने के लिए उभरे।

भारतीय नागरिकों को दिया बड़ा तोहफा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब भारतीय मूल के छठी पीढ़ी तक के नागरिकों को ओसीआईआई कार्ड की पात्रता दी जाएगी। इससे उन्हें भारत में रहने और काम करने का कानूनी अधिकार मिलेगा। बता दें कि करीब 13 लाख की आबादी वाले इस छोटे से द्वीप देश में 45% लोग भारतीय मूल के हैं। जिनमें अधिकांश बिहार और उत्तर प्रदेश के भोजपुरी भाषी जिलों से आए हैं।

लखनऊ कंट्रोल रूम को मिली थी सूचना

संपर्क क्रांति में बम की अफवाह, 40 मिनट तक खंगाले 20 कोच

रायपुर

हजरत निजामुद्दीन से दुर्ग जाने वाली छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 12824 में शुक्रवार रात बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। रात में किसी ने रेलवे कंट्रोल रूम नंबर 139 पर कॉल कर लखनऊ में सूचना दी कि ट्रेन में बम रखा गया है। सूचना मिलते ही लखनऊ कंट्रोल रूम ने झांसी रेलवे स्टेशन को सतर्क किया। झांसी में आरपीएफ, जोआरपी और स्थानीय पुलिस टीम ने तत्काल स्टेशन पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया। रात 11:32 बजे जैसे ही ट्रेन झांसी स्टेशन पर पहुंची, यात्रियों को सुरक्षित उतारकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। इंजन से लगे डिब्बों से तलाशी की शुरुआत हुई और सभी कोचों में गहन जांच की गई। करीब 40 मिनट तक चले तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद रात 12:24 बजे ट्रेन को दुर्ग के लिए रवाना कर दिया गया। इस झूठी सूचना से यात्रियों में दहशत जरूर फैली, लेकिन सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से स्थिति पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया गया।



संदिग्ध वस्तु निकली खिलौना

ट्रेन में बम की सूचना मिलने पर रेलवे का डॉग स्क्वैड भी पूरी तरह सतर्क रहा। झांसी स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही डॉग स्क्वैड ने सुरक्षा दलों के साथ मिलकर हर संदिग्ध यात्री और सामान की गहन जांच शुरू की। सभी कोच की तलाशी के बाद जहां कुछ नहीं मिला, वहां यात्रियों को दोबारा उनके स्थान पर बैठा दिया गया। तलाशी के दौरान एक कोच की सीट के नीचे एक संदिग्ध वस्तु नजर आई, जिसे सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत सुरक्षित रूप से कब्जे में लिया। जांच करने पर वह वस्तु एक खिलौने का टुकड़ा निकली, जिससे राहत की सांस ली गई। छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस कुल 20 कोच की ट्रेन है, जिसमें 9 एसी, 6 स्लीपर, 4 जनरल कोच और एक पैट्रोलकार शामिल है। यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन से चलकर पहला ठहराव झांसी में लेती है।

यात्रियों ने सुनाई आपबीती, बोले-कुछ समझ नहीं आया

दुर्ग जा रहे हितेश कुमार और संजय सिंह तथा रायपुर आ रही भुवनेश्वरी और निधि रजक ने बताया कि उन्हें पहले कुछ समझ नहीं आया। झांसी स्टेशन पर अचानक पुलिस बल आ गया और सभी को सामान लेकर उतरने को कहा गया। कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा था। प्लेटफॉर्म पर उतरते ही उनका सामान चेक किया गया। पूरे कोच की जांच के बाद उन्हें फिर से सीटों पर बैठा दिया गया। प्लेटफॉर्म को पहले ही खाली करा लिया गया था। ट्रेन के रुकते ही एसी और स्लीपर कोच एक-एक कर खाली कराए गए। यात्रियों का सामान नीचे उतारकर उसकी भी जांच की गई। डॉग स्क्वैड ने हर कोच की बारीकी से तलाशी ली। जांच पूरी होने के बाद ही यात्रियों को वापस बैठाया गया। कोच में अचानक पुलिस फोर्स को देख यात्री सहम गए थे। लोग जैसे सो रहे थे, उसी स्थिति में उन्हें कोच से बाहर जाने के लिए कहा गया।

सैफ और उनके परिवार को कोर्ट से बड़ा झटका

जबलपुर

अभिनेता सैफ अली खान और उनके परिवार को झटका देते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने संपत्ति मामले में दो दशक पहले दिए गए अधीनस्थ अदालत के फैसले को खारिज कर दिया और मामले में फिर से सुनवाई का आदेश दिया है। सैफ अली और उनके परिवार को भोपाल के पूर्व शासकों की 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति विरासत में मिली थी। तीस जून को दिए अपने आदेश में, न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकल पीठ ने अधीनस्थ अदालत के फैसले और डिफेंस को खारिज कर दिया, जिसमें पटौदी (सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और उनकी दो बहनों सोहा और सबा) को संपत्तियों का मालिक माना गया था।



15,000

करोड़ की

पैतृक संपत्ति

का मामला

भगोड़े नीरव का भाई निहाल अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली

अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया। अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को सूचित किया कि निहाल मोदी को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया। मामले की सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है और उस सुनवाई में निहाल जमानत का अनुरोध कर सकता है। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध पर यह कदम उठाया गया। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो आरोपों पर की गई, जिसमें धन शोधन का एक मामला और दूसरा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी व 201 (फरार होने) के तहत आपराधिक साजिश का मामला शामिल है।

क्या है आरोप

- घोटाला सामने आने के बाद दुबई में मोबाइल फोन और सर्वर जैसे डिजिटल सबूत नष्ट किए
- 6 मिलियन डॉलर की हीरे, 3.5 मिलियन यूएई दिरहम और 50 किलो सोना गायब किया
- कर्मचारियों और डमी डायरेक्टर्स को धमकाया और भारत में जांच में शामिल होने से रोका

निहाल के खिलाफ दो आरोपों में कार्रवाई

मनी लॉन्ड्रिंग, आपराधिक साजिश



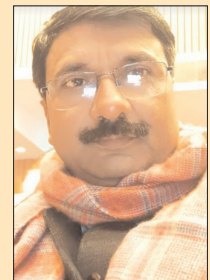
जल्द लाया जाएगा

भारत सरकार निहाल को भारत लाने की पूरी कोशिश कर रही है। ईडी और सीबीआई ने अमेरिका को प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा है, जिसमें निहाल के खिलाफ सबूत पेश किए गए हैं। अगर कोर्ट निहाल की जमानत खारिज करता है और प्रत्यर्पण को मंजूरी देता है, तो उसे भारत लाया जा सकता है। हालांकि यह प्रक्रिया लंबी हो सकती है।

हथियार डीलर संजय

मंडारी भगोड़ा घोषित

दिल्ली की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर शनिवार को बिटेन में रह रहे हथियार डीलर संजय मंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। ईडी के अनुसार, मंडारी वर्ष 2016 में भारत से बिटेन भाग गया था। बिटेन की एक अदालत ने मंडारी के प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध को हाल ही में ठुकरा दिया था। आयकर विभाग ने काला धन रोधी अधिनियम, 2015 के तहत मंडारी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था, जिस पर संज्ञान लेते हुए ईडी ने फरवरी 2017 में उसके (मंडारी) और अन्य लोगों के खिलाफ धनशोधन का आपराधिक मामला दर्ज किया था।



शुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनका परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। 14वें दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी Gaden Phodrang Trust को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का कहना है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेईचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं - वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं - चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेईचिंग तनाव का एक कारण यह भी है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है - अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलूगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बाँट्टर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

बारिश का कहर : प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता

ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल अंकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में ह्याऑल वेदर रोडहू, हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं- अनियोजित पहाड़ों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में तार के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेतावने रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूत भर की जाती है। चार धाम यात्रा



मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का निराश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप की लेकर फिर नये सिर से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुंचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नजर जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवजे की घोषणाएं, और ह्दाम साथ हैंहू जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुर्ननिर्माण कार्य अंध में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और

प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर जमीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोग को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य जमीनी जरूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय की केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल जिम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहाँ के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिर से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसे होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

संविधान की उद्देशिका

रमेश जोशी

जिसे चारों दिशाओं का होश नहीं, जो दसवीं में तीन कोशिशों के बाद थर्ड डिवीजन से एनटायर मेट्रिक पास हुआ, जो अपने बाप का नाम तक सही लिख नहीं सकता, जो दुनिया के नक्शे में तत्काल भारत और अपना शहर नहीं ढूँढ़ सकता, जिसे दिन-रात, सूर्य-चंद्रग्रहण और सौर-मण्डल के बारे में सही से पता नहीं वह भी नीचे से पाद और ऊपर से मूली की डकार की तरह संविधान में संशोधन का सुझाव तो दे ही देता है । और बड़े बड़े पदों पर बैठे तथाकथित अपने को कानून का ज्ञाता कहने वाले लेकिन अक्ल से पैदल चापलूस लोग भी उनका समर्थन करने लग जाते हैं तो बड़ी चिंता होती है ।संविधान न हुआ गली का खजुआ कुत्ता हो गया जिसे आते जाते कोई भी लफंगा लात मार जाता है ।



समय समय पर जनता का जरूरी मुद्दों से ध्यान हटाने के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम में आजकल संविधान में संशोधन पर बात चल रही है । इसलिए मित्रों से कई आलेखों का आदान-प्रदान हो जाता है जिनमें संविधान का प्रोपेम्बल भी आ जाता है जिसका हिन्दी अनुवाद ह्यउद्देशिकाहू किया गया है । मैं अभी तक उसे संविधान की प्रस्तावना मानता आया था । वैसे किसी भी पुस्तक से पहले उसके परिचय/सार के बतौर लेखक या कोई विद्वान जो कुछ लिखता है जिसे प्रस्तावना, आमुख, भूमिका आदि भी कहा जाता है । आमुख प्री फेस का बढ़िया अनुवाद है । जैसे नई बहू की मुंह दिखाई । सम्पूर्ण व्यक्तित्व और समस्त गुणावगुण का धीरे-धीरे आगे पता चलता है । संविधान में विभिन्न अध्यायों की सूची के बाद संविधान की उद्देशिक आती है जो हम भारत के लोग से शुरू होकर आत्मापति करते हैं पर समाप्त होती है । सामान्य रूप से हिन्दी में उद्देश्य शब्द प्रचलित है । इसलिए उद्देश्य से उद्देश्यिका बनना चाहिए । इसलिए अभ्यासवश उद्देशिका अशुद्ध लगा। एक बार जिज्ञासा होने पर आदमी को एक खास तरह की बेचैनी हो जाती है । उसी बेचैनी के तहत कई मित्रों से बात हुई । खुद भी शब्दकोश देखे जिनमें उद्देश्य तो मिला लेकिन उद्देश्यिका

नहीं मिला । मिला तो उद्देशिका भी नहीं लेकिन उद्देश्य के साथ उद्देश भी मिला। दोनों की संस्कृत के शब्द और दोनों ही समानार्थक । तो समाधान हुआ कि उद्देशिका गलत नहीं है लेकिन उद्देश्यिका क्यों नहीं ? हो सकता है किसी ने ध्यान नहीं दिया हो और ध्यान दिया हो तो जिज्ञासा या बेचैनी नहीं हुई हो । वैसे भी आजकल व्यवस्था ने लोगों को स्वर्ण-नर्क, धर्म,गर्व, स्वाभिमान,जातीयता, हिन्दुत्व की इतनी बड़ी समस्याओं के तत्काल समाधान की जिम्मेदारी सौंप दी है कि उद्देशिका या उद्देश्यिका जैसे फालतू विषयों के लिए समय और शक्ति कुछ नहीं बचते। हो सकता है उद्देश्यिका के स्थान पर उद्देशिका का चपन करने वाले विद्वानों ने सरलता और मुखसुख का सिद्धांत अपनाया हो। उद्देशिका की बजाय उद्देश्यिका बोलने में जीभ ऐंठती है। लेकिन फिर इसी सुख के लिए सांख्यिकी और अंतरात्मायीय को बख्खा दिया। वैसे सांख्यिकी भी उद्देशिका की तरह अटपटा तो लगता। कभी कभी कठिन का चुनौतव भी सुखद लगता है । वैसे लोग कह सकते हैं कि क्या फर्क पड़ता है । लेकिन फर्क पड़ता तो है । कम से कम एक नया शब्द जान लेने का सुख तो मिलता है । शाब्द ज्ञान के इसी सुख के कारण ऋषि लँगोटी में भी खुश थे।

लोक कथा

फुर्र-फुर्र

एक जुलाहा सूत कानने के लिए रुई लेकर आ रहा था। वह नदी किनारे सुस्ताने के लिए बैठा ही था कि जोर की आँधी आई। आँधी में उसकी सारी रुई उड़ गई। जुलाहा घबराया-- अगर बिना रुई के घर पहुँचा तो मेरी पत्नी तो बहुत नाराज होगी। घबराहट में उसे कुछ न सूझा। उसने सोचा, यही बोल दूँगा-- फुर्र-फुर्र। और वह फुर्र-फुर्र बोलता जा रहा था। आगे एक चिड़ीमार पक्षी पकड़ रहा था। जुलाहे की फुर्र-फुर्र सुनकर सारे पक्षी उड़ गए। चिड़ीमार को बहुत गुस्सा आया। वह जुलाहे पर बहुत विल्लाया तुमने मुझे बरबाद कर दिया। आगे से तुम ऐसा कहना, पकड़ो! पकड़ो! जुलाहा जोर-जोर से पकड़ो! पकड़ो!" रटता गया। रास्ते में कुछ चोर रुपए गिन रहे थे। जुलाहे की पकड़ो! पकड़ो!" सुनकर वे घबरा गए। फिर उन्होंने देखा कि अकेला जुलाहा ही चला आ रहा था। चोरों ने उसे पकड़ा और धूँते हुए कहा--यह व?था बक रहे हो? हमें मरवाने का इरादा है क्या? तुम्हें कहना चाहिए, इसको रखो, ढेरों लाओ, समझे ? जुलाहा यही कहता हुआ आगे बढ़ गया--इसको रखो, ढेरों लाओ। जब वह श्रमशान के पास से गुजर रहा था तो वहाँ गाँववाले शवों को जला रहे थे। उस गाँव में हजा फुला हुआ था। लोगों ने जुलाहे को कहते सुना, 'इसको रखो, ढेरों लाओ', तब उन्हें बड़ा गुस्सा आया। वे विल्लाए, तुम्हें शर्म नहीं आती है? हमारे गाँव में इतना भारी दुख फला है और तुम ऐसा बकते हो। तुम्हें कहना चाहिए यह तो बड़े दुख की बात है। जुलाहा धर्म से पानी-पानी हो गया। वह यही रटता हुआ आगे बढ़ने लगा--यह तो बड़े दुख की बात है। कुछ देर बाद वह एक बरात के पास से गुजरा। बरातियों ने उसे यह कहते हुए सुना, 'यह तो बड़े दुख की बात है, यह तो बड़े दुख की बात है।' इतना सुनकर वे जुलाहे को पीटने के लिए तैयार हो गए। बड़ी मुश्किल से उसने सफाई दी तो उन्होंने कहा-- सोधे से आगे बढ़ो, और हों, अब तुम यह रटते जाना--भाग्य में हो तो ऐसा सुख मिले। अब जुलाहा यही रटता हुआ अपनी राह चल पड़ा। चलते-चलते अंधेरा हो गया। घर से निकलते समय उसकी पत्नी ने उससे यही कहा था कि जहाँ रात हो जाए वहीं सो जाना । जुलाहा थक भी गया था। वह वहां सो गया।'अगले दिन जब सुह्रू उसके मुँह पर पापानी पड़ा, तब जुलाहा हड़बड़ा कर उठा। आँखें खोलीं तो देखाता ही रह गया--यह तो उसी का घर था। और अभी-अभी उसकी पत्नी ने ही उस पर पानी फेंका था। जुलाहे के मुँह से निकला--भाग्य में हो तो ऐसा सुख मिले।



सिर्फ एक वाहन चालक, ट्रैफिक को परेशान कर देता है। कुछ दूरी पर ट्रैफिक कर्मचारी मोबाइल से रिलेक्स हो रहे होते हैं। बैठक में हम ऐसी बातों पर विचार नहीं कर सकते कि जहां

जातक कथा

चाँद पर खरगोश



गंगा के किनारे एक वन में एक खरगोश रहता था। उसके तीन मित्र थे - बंदर, सियार और ऊर्दबिलावा। चारों ही मित्र दानवीर बनना चाहते थे। एक दिन बातचीत के क्रम में उन्होंने उपोसथ के दिन परम-दान का निर्णय लिया क्योंकि उस दिन के दान का संपूर्ण फल प्राप्त होता है। ऐसी बौद्धों की अवधारणा रही है। जब उपोसथ का दिन आया तो सुबह-सवेरे सारे ही मित्र भोजन की तलाश में अपने-अपने घरों से बाहर निकले। घूमते हुए ऊर्दबिलावा की नजर जब गंगा तट पर रखी सात लोहित मछलियों पर पड़ी तो वह उन्हें अपने घर ले आया। उसी समय सियार भी कहीं से दही की एक हाँडी और मांस का एक टुकड़ा चुरा, अपने घर को लौट आया। उछलता-कूदता बंदर भी किसी बाग से पके आम का गुच्छा तोड़, अपने घर ले आया। तीनों मित्रों ने उन्हीं वस्तुओं को दान में देने का संकल्प लिया। किन्तु उनका चौथा मित्र खरगोश तो कोई साधारण प्राणी नहीं था। उसने सोचा यदि वह अपने भोजन अर्थात् घास-पात का दान जो करे तो दान पाने वाले को शायद ही कुछ लाभ होना। अतः उसने उपोसथ के अवसर पर याचक को परम संतुष्ट करने के उद्देश्य से स्वयं ही दान में देने का निर्णय लिया। उसके स्वयं के त्याग का निर्णय संपूर्ण ब्रह्माण्ड को दोलायमान करने लगा और सबक के आसन को भी तप्त करने लगा। वैदिक परम्परा में सबक को शक्र या इन्द्र कहते हैं। सबक ने जब इस अति अलौकिक घटना का कारण जाना तो सन्पत्नी के रुप में वह उन चारों मित्रों की दान-परायणता की परीक्षा लेने स्वयं ही उनके घरों पर पहुँचे। ऊर्दबिलावा, सियार और बंदर ने सबक को अपने-अपने घरों से क्रमशः मछलियाँ, मांस और दही ; एवं पके आम के गुच्छे दान में देना चाहा। किन्तु सबक ने उनके द्वारा दी गयी दान को वस्तुओं को ग्रहण नहीं किया। फिर वह खरगोश के पास पहुँचे और दान की याचना की। खरगोश ने दान के उपयुक्त अवसर को जान याचक को अपने संपूर्ण शरीर के मांस को अंगीठी में सेंक कर देने का प्रस्ताव रखा। जब अंगीठी जलानी गयी तो उसने तीन बार अपने रोमों को झटका ताकि उसके रोमों में बसे छोटे जीव आग में न जल जाएँ। फिर वह बड़ी शालीनता के साथ जलती आग में कूद पड़ा। सबक उसकी दानवीरता पर स्तब्ध हो उठे। चिरकाल तक उसने ऐसी दानवीरता न देखी थी और न ही सुनी थी। हाँ, आश्चर्य ! आग ने खरगोश को नहीं जलाया क्योंकि वह आग जादुई थी; सबक के द्वारा किये गये परीक्षण का एक माया-जाल था। सम्मोहित सबक ने तब खरगोश का श्रांति गान किया और चांद के ही एक पर्वत को अपने हाथों से मसल, चांद पर खरगोश का निशान बना दिया और कहा, "जब तक इस चांद पर खरगोश का निशान रहेगा तब तक हे खरगोश ! जगत तुम्हारी दान-वीरता को याद रखेगा।"

मैनपुरी में सीआरपीएफ जवान के घर पर लाखों की चोरी

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटका मिला महिला का शव

नीचे मंजिल पर सो रहीं थी पत्नी, सुघा दिया था नशीला पदार्थ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बेवर/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव पचपुखरा में बीती रात्रि चोरों ने सीआरपीएफ जवान के घर में लाखों के आभूषण की चोरी की घटना को अंजाम दिया। घर में घुसे चोरो ने नीचे की मंजिल पर सो रही पत्नी को कोई नशीला पदार्थ सुचाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया, सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस ने पहुंचकर जानकारी जुटाई है।

सीआरपीएफ जवान सत्येंद्र कुमार यादव की पत्नी रंजेश कुमारी ने बताया कि रोज की भांति वह नीचे की मंजिल पर ताला लगाकर ऊपर बरामदे में सो गईं। तालों की चाबी उन्हीं के पास तख्त पर रखी थी। किसी समय उसे अज्ञात चोरों ने उन्हें कुछ नशीला पदार्थ सुंघा दिया इसके बाद चाबी से ताला खोल अलमारी व बक्सों में रखे लाखों रुपए के आभूषण व



80 हजार की नकदी पार कर दी। चोरों ने लाइसेंसी दो नाली बंदूक एवं रिवाल्वर को नहीं छुआ।

सुबह पीड़िता जब छत से नीचे उतरकर आई तो घटना की जानकारी हुई। पीड़िता के

शोर मचाने पर हड़कंप मच गया। सूचना 112 नंबर पर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुटी है। मौके पर फॉरेंसिक टीम व डाग स्क्वाड को बुलाकर पुलिस सबूत जुटा रही है।

घटना से पुलिस महकमे

में भया हड़कंप

चोरी की इतनी बड़ी वारदात से पुलिस विभाग में हड़कंप है। चोरी गए आभूषणों की अनुमानित 50 लाख रुपए के करीब बताई जा रही है। पीड़िता रंजेश कुमारी ने बताया कि पुत्र अशुल की शादी को तैयारी के लिए वह आभूषण बनावा रही थी। पिछले कुछ समय से कुसमरा से आभूषण लाकर उन्हीने घर पर रखे थे। दो दिन पूर्व भी आभूषण लेकर आई थी। आभूषणों को बैंक के लॉकर में रखने की तैयारी कर रही थी।

पुत्र दिल्ली में कर रहा यूपीएससी की तैयारी

सीआरपीएफ जवान का पुत्र दिल्ली में रहकर सिविल सर्विस की तैयारी हेतु कोचिंग कर रहा है। सीआरपीएफ जवान सत्येंद्र कुमार छत्तीसगढ़ में तैनात है वर्तमान में अमरनाथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा में जम्मू कश्मीर में तैनात हैं। घटना के संबंध में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



हत्या के आरोप और प्रेम प्रसंग की अटकलें

मृतका के पिता ने अपनी बेटी की पीट- पीटकर हत्या के बाद शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस के समक्ष दबी जुबान में कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि देवर और भाभी के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। भाभी ने देवर पर शादी न करने का दबाव डाला था, लेकिन उसने बात नहीं मानी और शादी कर ली।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही पुलिस

इसके अलावा महिला के कुछ आभूषण देवर के चढ़ाये में भेजे गए थे, जिसे घटना का एक कारण माना जा रहा है। सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, ताकि मौत के असली कारणों का पता चल सके।

घटनास्थल का मुआयना कुसमरा चौकी इंचार्ज सुशील सिंह के साथ किया। मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

छोटी खबरें

एसडीएम ने स्कूल चलो रैली को किया रवाना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। शनिवार को ब्लॉक शैक्षिक संसाधन केंद्र से एसडीएम के नेतृत्व में ब्लॉक स्तरीय स्कूल चलो रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ एसडीएम नीरज द्विवेदी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। स्कूल चलो रैली नगर के जीटी रोड सदर बाजार बाईपास रोड आदि का भ्रमण करते हुए वापस बीआरसी पहुंचकर संपन्न हुई। जहां बच्चों को स्वस्थानाहार वितरित किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक क्षेत्र के कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, प्राथमिक पाठशाला, कन्या प्राथमिक पाठशाला आदि विद्यालयों के बच्चों ने स्कूल चलो रैली में भाग लिया। रैली में बच्चे नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेकर नारे लगाते हुए लोगों को अपने अपने बच्चों को विद्यालय में प्रवेश दिलाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे। इस अवसर पर राजकुमार सिंह, श्याम पाल सिंह, निर्मला यादव, शबहत जमाल, रंजना सागर, रेखा बांधम, विमल कुमार आदि अस्थापक मौजूद रहे।

सवमर्सिवल पंप के करंट से युवक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। क्षेत्र के ग्राम सिरसा में समर पंप में अवानक आए करंट की चपेट में आते से 38 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस द्वारा मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। क्षेत्र के ग्राम सिरसा निवासी सर्वेश कुमार पुत्र जगदीश शनिवार की सुबह अपनी समर पंप सही कर रहा था। तभी अवानक समर पंप में करंट आ गया और वह विद्युत करंट की चपेट में आ गया और बेहोशी की अवस्था में वहीं पर गिर गया। ग्रामीण तथा परिजनों द्वारा सर्वेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिससे मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना थाना में दी गई। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा घर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया।

खेत के विवाद में गाली गलौज, धमकी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। महेश चंद्र पुत्र ईश्वर दयाल निवासी सौनासी ने थाने में तहरीर दी है। बताया कि उन्होंने अपना खेत बटाई पर श्याम बिहारी पुत्र रामोतार निवासी बल्लमपुर को दिया था। उन्हें बटाईदार ने सूचना दी कि उनके खेत की मेड़ तोड़कर खेत पर संतोष कुमार पुत्र नेत्रपाल व विकास पुत्र संतोष कुमार निवासी ग्राम बल्लमपुर ने अपने खेत में मिला लिया है। जानकारी पाकर दिनांक 22 जून को वह अपने खेत पर पहुंचे तो उपरोक्त उसके पास के खेत पर थे। उन्हें देखकर जातिसूचक गांलिया देने लगे जब उन्होंने गाली देने से मना किया तो कहा बुझे जान से मार दूंगा। बटाईदार ने उनके खेत की दूरी होने के कारण बतकर खेत करने से मना कर दिया। पीड़ित ने पुलिस से कब्जा दिलाने की मांग की है।

दहेज की मांग पूरी न होने पर देते हैं निकालने की धमकी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गांव चतुरीपुर निवासी सोनम पत्नी पवन उर्फ टोटू कर्तारिया ने पुलिस से शिकायत की है। बताया है कि उनकी शादी हुए एक वर्ष हो गयी है जो शादी से अब तक रोजाना आए दिन उनके पति पवन पुत्र रामनरेश,सास उमिला पत्नी रामनरेश उन्हें गाली देकर उनकी बहुत मारपीट करके उनसे दहेज भी मांगते हैं।

उन्हें बहुत परेशान करते है औ? खाना खर्चा भी नहीं देते हैं। घर में रहने नहीं देते हैं व घर से निकालने की धमकी देते हैं। पीड़िता का आरोप है कि उनके पति के दूसरी से अवैध संबंध है। उनके पति ने दिनांक 4 जुलाई को उन्हें मारा पीटा है जिससे उनके शरीर पर चोट आई है और उपरोक्त लोग उनके भाई को धमकी देते हैं। मामले की जांच कर रही है।

दूल्हे की हड़कत से नाराज दुल्हन का शादी से इंकार

दुल्हन के परिवार ने थमा दी पूरे खर्च की लिस्ट, दूल्हा पक्ष के छूटे पसीने

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। थाना क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ जयमाला के बाद दावत खाने जब बराती जा रहे थे, तो दूल्हा किसी बात पर भड़क गया। मामला इस कदर बढ़ गया कि दुल्हन ने शादी से मना कर दिया। मामले थाने पहुंचा, जहां पुलिस के सामने समझौते की बात हुई, तो दुल्हन पक्ष ने शादी में हुए पूरे खर्च की लिस्ट थमा दी। ये लिस्ट देखकर दूल्हे के घरवालों के साथ बरातियों के भी हिशोब उड़ गए।

किशनी थाना क्षेत्र के गांव में बीती रात बरात आई थी। धूमधाम से सभी रस्में हुईं। जयमाला के बाद जब बराती दावत के लिए जा रहे थे, तब दूल्हा खाने को देखकर भड़क गया। मामला इस कदर बढ़ गया कि दूल्हे ने दुल्हन पक्ष के लोगों



पर हाथ उठा दिया। फिर क्या था सभी लोग एकजुट हो गए। विवाद बढ़ता देख दुल्हन आ गई और उसने शादी करने से मना कर दिया। दुल्हन के मना करते ही दूल्हा पक्ष भी शादी तोड़ने पर राजी हो गया। इस दौरान पुलिस को बुला लिया गया। पुलिस दोनों पक्षों को लेकर थाने पहुंची। यहाँ पर समझौता की बात आई, तो दुल्हन

खर्चा तो पूरा देना ही पड़ेगा

दुल्हन के पिता द्वारा दी गई खर्च की लिस्ट देखकर दूल्हे और उसके पिता भी चकरा गए। दुल्हन के पिता ने साफ शब्दों में कहा कि खर्चा तो पूरा देना पड़ेगा, राजीनामा तभी होगा। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों से बात करने में जुटी हुई है।

के पिता ने शादी पर हुए खर्च की पूरी लिस्ट दूल्हे के पिता को थमा दी। इस लिस्ट में किस रिश्तेदार को कितने रुपये की भेंट दी।

दहेज में क्या क्या सामान दिया। इसके अलावा दावत में कितना खर्चा हुआ, ये भी लिखा हुआ था।

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

मैनपुरी

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम संजीव रंजन ने दिए स्पष्ट निर्देश, प्रदीप चौहान ने सहायक निदेशक

शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता सूचना से की शिष्टाचार भेंट

विधायक कोल एवं छर्छा ने भी सुनी जन समस्याएं



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ । जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में शनिवार को कोल तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का

अधिसूचना जारी की गई। इस अवसर पर डीएम ने अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की गहन समीक्षा कर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही कई मामलों के निस्तारण के निर्देश

किया जाए कि जनता दर्शन अथवा समाधान दिवस में प्राप्त हर शिकायत का निस्तारण नियमानुसार और निष्पक्षता के साथ किया जाए, ताकि लोगों में शासन और प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। समाधान दिवस के दौरान कई विभागीय अधिकारियों ने शिकायतों के समाधान के लिए मौके पर ही कार्रवाई शुरू कर दी, जिससे शिकायतकर्ताओं ने संतोष व्यक्त किया। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान क्षेत्रीय विधायक कोल अनिल पाराशर एवं छर्छा विधायक ठा0 रवेन्द्र पाल सिंह द्वारा भी शिकायतों एवं समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर एसएसपी संजीव सुमन, सीएमओ डॉ0 नीज त्यागी, पीडी भाल चन्द त्रिपाठी, डीडीओ आलोक आर्या, सीबीओ डॉ दिवाकर त्रिपाठी, एसडीएम कोल महिमा राजपूत, पुलिस क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार समेत विभिन्न विभागों से जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एडी सूचना सदीप कुमार ने संगठन के माध्यम से शासकीय योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का किया आह्वान



करते हुए सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे।

छोटी खबरें

वर्ष 2019 में रुहेलखंड एआरएम रहते हुए एक बाबू और वर्तमान अलीगढ़ आरएम के खिलाफ हुई थी भ्रष्टाचार में एफआईआर

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। अलीगढ़ के परिवहन निगम में फिर से एक बार चौका देने वाला मामला सामने आया है। और तो और इसमें परिवहन निगम के मुख्यालय की भी मिलीभगत प्रतीत हो रही है जिसमें की एक क्षेत्रीय अधिकारी जो कि भ्रष्टाचार के मामले में तारीख पर तारीख कर रहे हैं और कोर्ट से तलब किये जा रहे हैं, उसके बावजूद भी उन महाशय का तथ्यों को छुपाते हुए क्षेत्रीय स्तर पर प्रमोशन कर दिया गया। जबकि यह बिल्कुल नियम विरुद्ध है। सूत्रों की माने तो रुहेलखंड डिपो में 2019 वर्ष में सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रहते हुए एक बाबू के साथ भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर दर्ज हुई थी, जिनको बाद में नौएडा के लिए स्थानांतरित कर दिया गया, घूसखोरी के चलते महोदय का प्रमोशन क्षेत्रीय प्रबंधक अलीगढ़ के लिए कर दिया गया। जबकि वर्तमान में भी क्षेत्रीय प्रबंधक अलीगढ़, बरेली न्यायालय में भ्रष्टाचार के मामले में तारीख पर तारीख करने जा रहे हैं। गौरतलब है कि भ्रष्टाचार जैसा मामला न्यायालय में विचाराधीन रहते हुए आखिर किस आधार पर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रुहेलखंड का प्रमोशन अलीगढ़ क्षेत्रीय प्रबंधक के लिए कर दिया गया। बड़ा सवाल यह भी उठता है कि किसी भी विभाग या निगम में प्रमोशन के लिए कोई भी केस पेंडिंग नहीं होने चाहिए। लेकिन उसके बाद भी इस तरीके से किसी अधिकारी का प्रमोशन होना परिवहन निगम मुख्यालय तक की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। कुल मिलाकर उक्त कृत्य की अनुरूपित मोर्चा के एक पदाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री से करने की तैयारी की जा रही है।

अब सरकारी जगह पर भी किए जा रहे हैं अवैध कब्जे

मोर्निंग सिटी संवाददाता अलीगढ़। जहां एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार अवैध कब्जे को लेकर दिशा निर्देश जारी कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर इन आदेशों के सापेक्ष में संबंधित अधिकारी कार्रवाई करने में ढिलाई बरतते हुए नजर आ रहे हैं। पूरा मामला तहसील कोल का है जहां पर राजकुमार निवासी ग्राम शाहजहांपुर ताजपुर नगला ऊंचे ने शिकायत करते हुए बताया है कि गांव में ग्राम सभा की सड़क है जिस पर खरिजा लगा हुआ है। उक्त गली सात फीट चौड़ी है। उक्त ग्राम की सड़क से आने जाने वालों का आना-जाना लगा रहता है। ग्राम समाज की जमीन है और ग्राम के ही विपक्षीयण कन्हैया लाल निवासी शाहजहांपुर ने गली को बंद कर दिया है, जिससे कि आना जाना बंद हो गया है तथा उक्त गली को लेकर प्रार्थी की माता नेकसिया देवी के फौजदारी उक्त ग्राम के लोगों ने की थी, जो कि इस ग्राम सभा पर ग्राम प्रधान के माध्यम से जिम्मेदार लोगों ने सड़क की जमीन उसकी माता को दे दी गई थी। अब वर्तमान में कन्हैया लाल ने गली को पूरी तरह से बंद कर दिया है। जब पीड़ित और उसकी माता ने कहा कि ग्राम सभा द्वारा सड़क की जमीन उनको सभी अनिवार्यताएं करके दी गई है तो तुम क्यों बंद कर रहे हो, तो कन्हैयालाल को कन्हैया लाल के सहयोगी वीरपाल पूर्व प्रधान ने पीड़ित और उसके मन के साथ गंदी गंदी गाली देकर अपमानित किया और कहा कि हम इस गली को नहीं खोलेंगे और हम ऐसे ग्राम सभा के फैसलों को नहीं मानते। आरोपी ने पीड़ित की मां के साथ भी मारपीट की है, इसका मामला न्यायालय में विचाराधीन भी है। आरोपी कहते हैं कि जब अब तक सड़क की जमीन नहीं ले पा रहा है तो अब क्या कर पाएगा। इस संबंध में लगातार प्रार्थना पत्र देने के बाद भी न्याय नहीं मिल पा रहा है। पीड़ित ने अब जाकर जिला अधिकारी को ले शिकायत पत्र दिया है और बंद की गई सड़क के रास्ते खुलवाने की मांग की गई है जिसकी जांच एसडीएम कोल को दे दी गई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील पटियाली में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता-जिलाधिकारी

तहसील पटियाली में 41 प्रार्थना पत्र प्राप्त, 05 मौके पर ही निस्तारित

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तहसील परिसर पटियाली में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा की उपस्थिति में तहसील पटियाली के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर आम जनमानस की समस्याओं व शिकायतों का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक एवं निष्पक्ष निस्तारण ही शासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी प्राप्त प्रार्थना पत्रों की शीघ्रता से निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिससे पीड़ितों को पूर्ण संतुष्टि मिले। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी के समक्ष इस अवसर पर अधिक धनराशि के बिजली के



बिल आने, विधवा व वृद्धावस्था पेंशन न मिलने, राशन कार्ड बनवाने, भूमि की पैमायश कराने, अवैध कब्जा हटवाने, राजस्व, भूमि विवाद, उत्पीड़न, आपसी विवाद आदि से सम्बंधित 41 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिनमें से 05 प्रार्थना पत्रों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थना पत्रों को गंभीरतापूर्वक सुनकर सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त हुई शिकायतों व

समस्याओं के प्रभावी व गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तहसील परिसर पटियाली में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील पटियाली में मुख्य चिकित्साधिकारी, उपजिलाधिकारी पटियाली, जिला परियोजना निदेशक, डीपीआरओ, डीएसओ, अधिशायी अभियंता विद्युत एवं समस्त जिला स्तरीय

अधिकारी तथा सीओ, तहसीलदार, समस्त क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिले की अन्य दोनों तहसीलों कासगंज एवं सहावर में मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी द्वारा जनता की समस्याओं व शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र प्रार्थना पत्रों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

अधिकारी तथा सीओ, तहसीलदार, समस्त क्षेत्रीय खण्ड विकास अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिले की अन्य दोनों तहसीलों कासगंज एवं सहावर में मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी द्वारा जनता की समस्याओं व शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा विभागीय अधिकारियों को यथाशीघ्र प्रार्थना पत्रों को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

पालिकाध्यक्ष ने ली सफाई सुपरवाइजरोँ की महत्वपूर्ण बैठक

सफाई सुपरवाइजरोँ के साथ बैठक कर्ती पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। वसुंधरा एक्स्लेव स्थित केम्प कार्यालय पर नगर पालिका परिषद की पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी द्वारा नगर क्षेत्र में कार्यरत सभी सफाई सुपरवाइजरोँ के साथ एक अहम बैठक की गई। बैठक के दौरान नगर की सफाई व्यवस्था को लेकर व्यापक चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

पालिका अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सफाई व्यवस्था को प्रभावी एवं सुचारु बनाने हेतु अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका परिषद माे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं माे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के लिए संकल्पित है।इस बैठक में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े



सफाई सुपरवाइजर उपस्थित रहे। साथ ही सभासद रामजी लाल वर्मा, दिनेश सिंह (नन्ने), आईटीसी से अभिनाश शर्मा तथा जियो स्टेट से शिवम् सहित आदि जन भी

उपस्थित रहे।नगर की स्वच्छता को लेकर इस प्रकार की सक्रियता निश्चित ही नगरवासियों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी।

नितिन मोहन का सीबीआई में हुआ चयन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। हाथरस के लाल ने सीबीआई में अभियोजन अधिकारी बनकर जिले का नाम रोशन किया है।हाथरस के लाल का सीबीआई में चयन जनपद के युवाओं को प्रेरणा दायक होने के साथ साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिये ऊर्जा प्रदान करेगा। हाथरस के कस्बा सादाबाद की गली पंडितान निवासी नितिन मोहन शर्मा पुत्र स्व श्री जगदीश मोहन शर्मा का केंद्रीय जांच ब्यूरो में अभियोजन अधिकारी पर चयन हुआ है। एक जुलाई को नितिन शर्मा ने सीबीआई मुख्यालय दिल्ली में अभियोजन अधिकारी पद पर ज्वाइन कर लिया। नितिन के सीबीआई में चयन होने पर उनके रिश्तेदारों एवं मित्र में भारी खुशी है।नितिन के भाई पवन शर्मा का कहना है कि नितिन बचपन से ही होनहार था। उसमें आगे बढ़ने की लगन थी। वह किसी कार्य को जबतक पूर्ण नहीं कर लेता था तब तक उसमें लगा रहता था।पत्रकारिता से बैंक तक का सफर फिर बैंक से सीबीआई तक पहुंचने का सफर नितिन शर्मा के लिए आसान न था, उन्होंने बिना रुके और बिना थके सफलता का सफर तय किया।नितिन अपने जीवन की इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता के साथ बड़े भाई पवन शर्मा को देते है। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों को भी इसका श्रेय देते है जिन्होंने शाखा से ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी व संस्कार दिये। नितिन के पिताजी स्व श्री जगदीश मोहन शर्मा तहसील सादाबाद में राजस्व निरीक्षक के पद पर रहे है। बड़े भाई हाथरस में एक इंटर कॉलेज में अध्यापक है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हाथरस के जिला बौद्धिक प्रमुख की जिम्मेदारी के साथ समाज की सेवा का कार्य करते है।



छोटी खबरें

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया पौधरोपण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सिकंदराराऊ तहसील समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विरंजीवनाथ सिन्हा द्वारा ह्नाएक पेड़ मां के नामह् अभियान के अंतर्गत तहसील परिसर सिकंदराराऊ में पिलखुन एवं पीपल के पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए आमजनमानस से अपील की कि वे भी अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसका संरक्षण करें। जिलाधिकारी ने कहा पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। ये न केवल हमें शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि वर्षा ऋक को संतुलित रखने, भूमि क्षरण को रोकने और जेव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ह्नाएक पेड़ मां के नाम एक भावनात्मक पहल है जो हमें प्रकृति और मातृत्व दोनों के प्रति हमारा उत्तरदायित्व याद दिलाती है। मेरा सभी नागरिकों से आग्रह है कि वे एक पौधा अवश्य लगाएं '

बाबा अमरनाथ की यात्रा का प्रथम जत्था ढोल बाजे , स्वागत के साथ रवाना



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। बाबा अमरनाथ की यात्रा को जनपद से प्रथम जत्था 4 जुलाई को रात्रि 10 बजे नवग्रह मंदिर अलीगढ़ रोड पर से अमरनाथ यात्रा के लिए महादेव भक्त ढोल बाजे लगाइए एवं भव्य स्वागत के साथ ट्रेलवल् बस द्वारा दिल्ली रवाना हुआ। वहां से हवाई जहाज द्वारा अमरनाथ यात्रा को जाएंगे। जत्ये को मंदिर के महन्त आचार्य श्री पंडित दिनेश गुरुजी ने रक्षा तिलक लगाकर आशीर्वाद प्रदान किया। इस पावन पर्व पर फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल द्वारा अमरनाथ यात्रा जाने वाले सभी भक्तजनों का माला एवं पटका पहनाकर एवं अभय गर्म पिकी रखर वालों की ओर से सभी भक्तजनों को नमकीन के पैकेट एवं प्रसाद वितरत कर भव्य स्वागत सत्कार किया ,धर्म ध्वजा एवं तिरंगा फहराकर बस को रवाना किया। अमरनाथ जाने वाले भक्तजनों में भारत तिब्बत सहयोग मंच के जिला अध्यक्ष दिनेश माहेश्वरी एवं श्रीमतीसरिता माहेश्वरी,सहित आदि प्रमुख भक्त जन हैं। स्वागत करने वालों में प्रदीप गोवाल, अभय गर्ग, सुरेश अग्रवाल, पंडित हरेंद्र शर्मा, पंडित शैलेंद्र शर्मा, देवकीनंदन वर्मा, कुलदीप, गोविंद महेश्वरी, आकाश वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, बबलू चौधरी, बंशी वर्मा, राहुल कुमार, डॉ अजय सिंघल, द्वारिका सिंह, डॉ, सचिन शर्मा, मोहन लाल, सुरेंद्र सिंह, पौ पी सिंह, देवेंद्र कुमार, नीतू शर्मा आदि थे।

प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसायन का औचक निरंक्षण किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस ! डा0 राजीव रॉय, प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी, द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हसायन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक मिली। उपस्थित स्टफ द्वारा बताया गया कि आज निरीक्षण के समय तक कुल 138 ओ०पी०डी० की जा चुकी थी। ओ०पी०डी० काउंटर पर आभा आई०डी० बनाये जाने हेतु वयु०ओर० कोड लगवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। वीरेन्द्र-फार्मासिस्ट से जानकारी की गई, स्थिति असंतोषजनक मिली। प्रसव कक्ष में कु० दीक्षा - स्टफ नर्स उपस्थिति मिली, अट्टासाइड कॉल रजिस्टर का अवलोकन किया गया, रजिस्टर के अनुसार दिनांक- 24 जून 2025 को 55 में से 28 अट्टासाइड किये जा चुके थे। आज अब तक कुल 12 डिलीवरी की जा चुकी थी, डाइट रजिस्टर की स्थिति संतोषजनक मिली। आहरण वितरण अधिकारियों के साथ कोषागार में बैठक 07 जुलाई 2025 को कासगंज। कार्यालय प्रधान महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, प्रथम 30०0 प्रयागराज के निरीक्षण दल द्वारा जिला कोषागार कासगंज में जगपद के समस्त आहरण वितरण अधिकारियों एवं उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन 07 जुलाई 2025 को समय 12 बजे किया जायेगा। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि समस्त आहरण वितरण अधिकारी बैठक में समय से उपस्थित हो।

किसानों को निःशुल्क वितरित की गई मिनी बाजरा किट

पटियाली के राजकीय कृषि बीज गोदाम परिसर में किया गया पौधारोपण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली स्थित राजकीय कृषि बीज गोदाम परिसर में शनिवार को किसानों के मध्य मिनी बाजरा किट का निःशुल्क वितरण किया गया। इस दौरान उप कृषि निदेशक महेंद्र सिंह ने बताया कि मिनी किट के माध्यम से नवीन प्रजाति का बीज किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। इस दौरान राजकीय कृषि बीज गोदाम परिसर में दर्जनों छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप कृषि निदेशक महेंद्र सिंह ने उपस्थित किसानों से फॉर्मर रजिस्ट्री हेतु अपील की।

उन्होंने बताया कि करीब तीन लाख से अधिक किसानों में से लगभग आधे किसानों ने अभी तक फॉर्मर रजिस्ट्री कराई है। जबकि फॉर्मर रजिस्ट्री एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसके अभाव में पीएम सम्मान निधि के अतिरिक्त विधवा एवं दिव्यांग पेंशन आदि सुविधाओं से भी वंचित किया



जा सकता है। अतः सभी किसान अतिशीघ्र फॉर्मर रजिस्ट्री को पूर्ण कराएं। जिला कृषि अधिकारी डॉ अवधेश मिश्र ने बताया कि फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य नजदीकी जनसेवा केंद्र, कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक, लेखपाल एवं पंचायत सहायक आदि के माध्यम से पूर्ण कराया जा सकता है। इस दौरान उपायुक्त जिला उद्योग सी बी भास्कर, गोदाम प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसान मौजूद रहे। कैशन-पटियाली स्थित राजकीय कृषि बीज गोदाम परिसर में मिली निःशुल्क बाजरा किट को दिखाते किसान।

किसानों ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। भारतीय किसान यूनियन चौधरी हरपाल सिंह गुट के किसानों ने तहसील के बाह्य धरना प्रदर्शन किया और अपनी समस्याओं से भरा एक ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम एसडीएम नीरज शर्मा को सौंपा। किसान मजदूरों ने धरना प्रदर्शन के बाद सीएम डीएम और प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन की अध्यक्ष राजकुमार कौशिक ने की तथा संचालन नगेन्द्र सिंह ने किया। ज्ञापन में किसान मजदूरों ने कहा है कि आठ और नौ जुलाई को भारतीय किसान यूनियन का राष्ट्रीय सम्मेलन फर्रुखाबाद के कंपिल तीर्थस्थल के प्लेटन केन्द्र धर्मशाला में होगा। ज्ञापन में कहा है कि विद्युत को प्राइवेट सैक्टर में नहीं दिया जाना चाहिए। तथा सफाई बढ़ाई जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री किसानों के निजी विद्युल नलकूपों को फ्री बिजली देने का वायदा बद्दस्तर रखा जाये। बिजली बसूली न कर बिजली रेट वृद्धि वापस ली जाए। मथुरा बरेली एक्सप्रेस वे पर शौचालय प्रकाश बैंच चढाव रोड पूरे नहीं



बने है, सुविधायें नहीं है और टोल बसूली की जा रही है। सासनी सुविधायें देने के बाद टोल वसुला जाए। बाजारा मक्का अके सरकारी खरीद केन्द्र नहीं खोले गये हैं। गरीबों की पेंशन तीन हजार रुपए प्रतिमाह की जाए। बिजली मीटर क्षतिग्रस्त होने पर सरकार खर्चा वहन करें घरेलू बिजली में छूट दी जाए। किसानों ने ज्ञापन में कहा है कि सहकारी समिति बांधनू अभिलखों

में दर्ज कर गोपाम बनाया जाए, ताकि किसानों को सुविधा मिल सके। ज्ञापन देने वालों में मनोज कुमार, अशोक शर्मा, रामबाबू सिंह, रानी, नगेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह, प्रदीप उपाध्याय,रु श्रीपाल सिंह, रामप्रकाश शर्मा, मनोहर सिंह, राजकुमार कौशिक, कमलेश देवी, मुनेन्द्र कुमार, गिरंज सिंह, सुखवीर सिंह, सचिन उपाध्याय आदि मौजूद थे।

डीएम एवं एसपी ने तहसील पटियाली के गंगा नदी के तटवर्ती ग्राम बरौना, कादरगंज का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिलाधिकारी मेधा रूपम एवं पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने तहसील पटियाली क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त तटवर्ती ग्राम बरौना, कादरगंज का निरीक्षण कर प्रासनिक व्यवस्थाओं का मौके पर जायजा लिया। प्रासनिक अधिकारियों से बातचीत कर मौके पर स्थिति को परखा। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मौके पर सिंचाई विभाग द्वारा गांव को कटान से बचाने के लिये लगातार कटानरोधी कार्य कराया जा रहा है। गंगा के जलस्तर पर पैनी नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बाढ़ चैकी का निरीक्षण कर समस्त व्यवस्थाएँ पूर्ण करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पूर्ण सक्रिय रहे। सिंचाई विभाग के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि आज गंगा नदी में नरौरा बैराज से 866०3 क्यूसेक्स डिस्चार्ज पास हुआ है दिनांक 01 जुलाई 2025 को नरौरा बैराज से 128716 क्यूसेक्स डिस्चार्ज पास हुआ था बरौना से डिस्चार्ज पूरी तरह सुरक्षित रुप से पास हो रहा है।



जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि बाढ़ काल में विभाग द्वारा सतत निगरानी की जाये एवं सभी आवश्यक कार्य कराये जाये तथा यदि कहीं भी कटान आदि की समस्या आती है तो तत्परता से उसका निराकरण किया जाये इसमें किसी प्रकार की कोई शिथिलता न बरती जाये। उपजिलाधिकारी

पटियाली द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम मूँलाखेडा में सड़क को पुलिया क्षतिग्रस्त हो गयी है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि उस स्थान पर आवश्यक कार्य करा दिये जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामवासियों को कोई समस्या उत्पन्न न हो। अधिशाषी अभियंता

सिंचाई ने बताया कि ग्राम बरौना में सिंचाई विभाग की टीम निरंतर हर समय लगी हुई है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी, उप जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी पटियाली, पीडब्ल्यूडी, एडीओ पंचायत तथा राजस्व, सिंचाई एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जलभराव से मुक्ति के लिए युद्धस्तर पर चलाया नालों एवं नालीयों की सफाई का अभियान



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। बरसात को ध्यान में रखते हुए नगर में जलभराव की समस्या से बचाव के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी के निर्देशन में नाला एवं नालियों की सफाई कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इसी क्रम में चामड़ गेट स्थित बी एच ऑयल मिल के पास

आगरा रोड पर नाला सफाई कार्य का औचक निरीक्षण पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी द्वारा किया गया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि सफाई कार्य समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी

प्रकार की असुविधा न हो। पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे नाले एवं नालियों में कूड़ा न डालें एवं स्वच्छता अभियान में सहयोग प्रदान करें। इस मौके पर सभासद सुंदरम शर्मा, दिनेश उपाध्याय, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक ओम प्रकाश सहित अन्य नगर पालिका कर्मी उपस्थित रहे।

पिकअप ने तोड़ा आवास विकास कालोनी के रेलवे फाटक का बैरियर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। स्थानीय जंक्शन रेलवे स्टेशन के बरेली रेल मार्ग पर आवास विकास के निकट स्थित समपार के एक बैरियर को शनिवार की सुबह अनियंत्रित पिकअप ने तोड़ दिया। हालाकि घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में ले लिया। रेल कर्मियों ने समपार के बैरियर को दुरुस्त किया है। बता दें कि कासगंज-बरेली रेल मार्ग पर ट्रेन के आवागमन के लिए आवास विकास कालोनी स्थित समपार संख्या 309ए को संबंधित गेटमैन द्वारा बंद किया जा रहा था। तभी फाटक पार करने की जल्दी में एक पिकअप वाहन तेज गति से गुजरा। जब तक फाटक गिरता, तब तक उसके बैरियर को पिकअप वाहन ने तोड़ दिया और फाटक के दूसरी पार निकल गया। अन्य वाहनों के अधिक होने की वजह से चालक गाड़ी लेकर भाग न सका। गेट मैन की जानकारी के बाद कुछ ही देर में पहुंची पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में ले लिया। चालक भी पुलिस हिरासत में है। वाहनों को रोककर ट्रेनों का आवागमन सुचारु रखने के लिए रेलवे कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर फाटक के बैरियर को दुरुस्त कराया गया है।

गोवर्धन परिक्रमा, गुरु पूर्णिमा को लेकर रेलवे की मेला स्पेशल ट्रेन शुरु

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा एवं गुरु पूर्णिमा पर्व को लेकर जुटने वाली सभावित भीड़ की सहूलियत के लिए रेलवे प्रशासन ने दो जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेन शुरु की है। यह दोनों ट्रेन कासगंज जंक्शन से सायं 4.50 बजे एवं रात्रि साढ़े 12 बजे मथुरा के लिए रवाना होगी। इज्जत नगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने मेला स्पेशल ट्रेनों के आवागमन के लिए समय सांरिणी जारी की है। उन्होंने बताया है कि ट्रेन संख्या 05314 व 05313 मथुरा जं.,-कासगंज-मथुरा जं., एवं 05316 व 05315 कासगंज-मथुरा-कासगंज मेला विशेष गाड़ियां शनिवार से शुरु होकर 12 जुलाई तक आठ-आठ फेरो के लिए चलेगी। ट्रेन संख्या 05314 मथुरा जंक्शन से दोपहर दो बजे बजरक 20 मिनट पर कासगंज के लिए प्रस्थान कर कासगंज सायं 4.30 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 05313 कासगंज जंक्शन से सायं चार बजकर 50 मिनट पर रवाना होकर मथुरा जंक्शन सात बजकर 35 मिनट पर पहुंचेगी। इसी तरह से ट्रेन संख्या 05316 कासगंज जंक्शन से रात्रि साढ़े 12 बजे प्रस्थान कर तीन बजकर 15 मिनट पर मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 05315 मथुरा जंक्शन से से चार बजकर 50 मिनट पर प्रस्थान कर सुबह सात बजे कासगंज पहुंचेगी।

देवशयनी एकादशी पर पंचकोसीय परिक्रमा आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/सोरो। देवशयनी एकादशी के उपलक्ष में रविवार को तीर्थ नगरी सोरो में पंचकोसीय परिक्रमा का आयोजन होगा। यह जानकारी ब्राह्मण कल्याण सभा के संस्थापक अध्यक्ष शरद कुमार पांडेय ने दी है। उन्होंने बताया है कि रविवार को सुबह साढ़े छह बजे हरपदी गंगा में स्नान, भगवान वराह का पूजन, मां गंगा की परिक्रमा के साथ पंचकोसीय परिक्रमा शुरू होगी। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से पंचकोसीय परिक्रमा में शामिल होकर पुण्य कमाने की अपील की है।

शांति भंग के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुडवारा कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र से शांति भंग के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस्पेक्टर गंजडुडवारा ने बताया कि कोवाली पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में टिकू पुत्र किशनलाल, सुमित पुत्र महेंद्र सिंह निवासीगण अल्लुपर, अंकित पुत्र सूरजपाल निवासी सादरपुर थाना अलीगंज, रोहित पुत्र देशराज निवासी चांदपुर थाना कैम्पिन, नफीस अहमद पुत्र युनुस निवासी मोहल्ला मंसूर गंजडुडवारा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को एसडीएम न्यायालय में पेश किया है।

प्रदेश के वृद्धाश्रमों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डा. रेनु गौड ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रदेश में संचालित वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों के लिए मूलभूत सुविधाएं जुटाने का सुझाव रखा है। पत्र में बताया है कि वृद्धाश्रमों के निरीक्षण के दौरान सुविधाओं का अभाव मिला है, इसकी वजह से बुजुर्ग व आश्रम संचालकों को दिक्कतें हो रही हैं। कासगंज निवासी उग्र राज्य महिला आयोग की सदस्य डा. रेनु गौड ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम भेजे गए सुझाव पत्र में बताया है कि गत दिवस राज्य महिला आयोग की ओर से प्रदेश के वृद्धाश्रम, वृद्ध जन सेवा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जानकारी मिली कि अधिकांश आश्रय स्थल किराए की भूमि में संचालित हैं। अपनी निजी भूमि नहीं होने की वजह से बुजुर्ग एक सीमित स्थान पर फेर होकर रह गए हैं, सुविधाओं के अभाव में उन्हें तमाम दिक्कतें हो रही हैं। सुझाव रखा है कि राज्य सरकार की ओर से प्रदेश के मंडल व जिला स्तर पर वृद्धजनों के लिए स्वाभिम्य युक्त नव निर्मित वृद्धाश्रमों की व्यवस्था की जाए, जो कि पर्याप्त भू क्षेत्र में हो और उनके शारीरिक सक्रियता, मानसिक शांति, सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं बगीचे, ध्यान केंद्र, चिकित्सा सुविधा, मनोरंजन गृह आदि उपलब्ध हो। उन्होंने इन सबके लिए सरकार से बजट जारी करने का सुझाव दिया है।

पादी समारोह से लापता बालिका सकुशल बरामद, परिजनों को सौंपी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर कस्बा में शायी समारोह में शामिल होने के दौरान सात वर्षीय बालिका परिजनों से बिछड़ गई। परिजनों द्वारा जानकारी दिए जाने पर पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। एक घंटे की मशक्कत कर बालिका को सकुशल परिजनों से मिला दिया। इसके बाद परिजन पुलिस का धन्यवाद कर गंवाव को चले गए। थानाध्यक्ष अमाापुर दिनेश सिंह ने बताया कि सुरेन्द्र यादव पुत्र प्रेमापाल सिंह निवासी ग्राम नगला पारसी थाना दादो अलीगढ़ ने अमाापुर थाना पुलिस को अवगत कराया कि वह अमाापुर में राम श्याम गेस्ट हाउस में शायी समारोह में शामिल होने आए थे, यहां से उनकी सात वर्षीय बेटी बिछड़ गई है। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चल सका है। इसके बाद पुलिस की टीम बालिका की तलाश में जुट गई। थानाध्यक्ष दिनेश ने बताया कि उन्होंने मामलों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की टीम गठित की और टीम को बालिका की बरामदगी के लिए निर्देश दिए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने बालिका को सकुशल बरामद कर लिया गया और परिजनों को थाना बुलाकर बालिका को सुपुर्द कर दिया। इसके बाद परिजन पुलिस को धन्यवाद देकर गंत्य को चले गए।

हत्यारोपी पति गिरफ्तार, अन्य की तलाश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र के नगला ढक गांव में हुई महिला की हत्या के मामले में पुलिस नामजद हत्यारोपी पति गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है। इस्पेक्टर ढोलना गोविंद बल्लभ शर्मा ने बताया कि गत दिवस ढोलना थाना में पुलिस रिपोर्ट दर्ज की थी। मामले में एक महिला ने अपनी ननद को ढकज के लिए बताहित करने व उसकी हत्या करने का मामला दर्ज कराया था। मामले में अग्रिम कार्रवाई करते हुए शनिवार को पुलिस ने वांछित हत्यारोपी पति राम् उर्फ रोशनलाल निवासी नगला ढक थाना ढोलना को भगवन्तपुर नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की है।

दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर कोतवाली में दर्ज दुराचार के मामले में पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया कि कोतवाली में गत 22 मई को दर्ज हुए मामले में अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वांछित आरोपी गौरव पुत्र राजेश कुमार निवासी रामनगर भिलौट थाना गंगौरी जगनपद अलीगढ़ को शनिवार को काली नदी के निकट से गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की है।

जनसंघ संस्थापक के जन्म दिवस पर संगोष्ठि आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय गौशाला रूड पर आज 6 जुलाई को दोपहर 12 बजे से नगर भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष मोहनद्व वाणीय के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हाथरस मंडल के प्रभारी महेंद्र सिंह आचार्य भाग लेंगे कार्यक्रम संयोजक अंकित गौड़ होेंगे।

तहसील बाह में जिलाधिकारी अरविन्द मल्लाप्या बंगारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

***140 शिकायतें हुई प्राप्त, 6 का मौके पर ही निस्तारण**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। 5 जुलाई। तहसील बाह

में शनिवार को जिलाधिकारी अरविन्द मल्लाप्या बंगारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 140 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों में अधिकांश विद्युत, पेंशन, राशन, भूमि विवाद, अवैध अतिक्रमण व अन्य राजस्व से संबंधित रहीं। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 48, पुलिस विभाग की 19, वन विभाग की 7, विद्युत विभाग की 5, समाज कल्याण विभाग की 8, खाद्य एवं रसद विभाग की 12, विकास विभाग की 36 और अन्य 5 शिकायतें शामिल रहीं। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में आए फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और विशेष रूप से भूमि विवाद से जुड़ी शिकायतों के लिए राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायतकर्ता से सीधे संपर्क कर समस्याओं का समयबद्ध व



संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही निस्तारण की स्थिति से शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए और निस्तारण विवरण आइजीआरएस पोर्टल पर पूर्ण विवरण सहित अपलोड किया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि आगरा जिले ने उत्तर प्रदेश की आइजीआरएस रैंकिंग में अच्छा प्रदर्शन किया है और वर्तमान में जनपद 14वें स्थान पर है। लखनऊ स्तर से लिए गए फीडबैक में भी

आगरा पुलिस और आईआईटी कानपुर की साझेदारी से विकसित हुआ एआई एजेंट सॉफ्टवेयर, एक क्लिक में मिलेगी पुलिस सर्कुलरों की जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। तकनीक के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए आगरा पुलिस ने आईआईटी कानपुर के सहयोग से एक अत्याधुनिक एआई एजेंट सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जो उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी कार्यालय द्वारा जारी सभी जनहित सर्कुलरों और दिशा-निर्देशों को एक क्लिक पर आम नागरिकों और पुलिस अधिकारियों दोनों को उपलब्ध कराएगा। यह अभिनव पहल न केवल पुलिसिंग को पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि अपराधों की रोकथाम और विवेचना के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाएगी। इस एआई मॉडल की सबसे खास बात यह है कि यह फ्रीशेर्ड-अडोप्लेर्शी स्मैल्लरैड्रैक्ल्ल (फशरक्ल्ल) तकनीक पर आधारित है, जो उपयोगकर्ता द्वारा



पुछे गए प्रश्नों के जवाब सटीक रूप से संबंधित सर्कुलर के सारांश के साथ प्रस्तुत करता है और साथ ही मूल सर्कुलर की लिंक भी उपलब्ध कराता है। यह मॉडल हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में काम करता है, जिससे यह उत्तर प्रदेश की विविध भाषाई आबादी के लिए उपयोगी बनता है। आगरा पुलिस ने इस तकनीक को पोर्टल पर आमजन के लिए सुलभ कराया है। अब कोई भी नागरिक या पुलिस अधिकारी इस वेबसाइट पर जाकर यह जान सकता है कि किसी विषय, निर्देश या कानून के संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस की क्या आधिकारिक प्रक्रिया या

व्यवस्था है। यह पहल न केवल आम लोगों को पुलिस व्यवस्था के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी, बल्कि सूचना के अधिकार को भी मजबूती देगी। सॉफ्टवेयर के प्रमुख फायदे : यह एआई मॉडल नागरिकों को सरल भाषा में सर्कुलरों की जानकारी देता है, जिससे उन्हें जटिल सरकारी भाषा को समझने की आवश्यकता नहीं होती। पुलिस अधिकारियों के लिए यह एक बड़ा सहायक टूल साबित हो रहा है, जिससे वे किसी आदेश की त्वरित जानकारी या सकते हैं, और विभिन्न सर्कुलरों की तुलना कर सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है। भविष्य की संभावनाएं : इस तकनीक को और भी उन्नत करते हुए इसमें भारतीय दंड संहिता (IPC) और हाल ही में लागू भारतीय न्याय संहिता (BNS) के प्रावधानों को शामिल किया जा सकता है।

प्रजापति समाज की हर संभव मदद को तैयार हैं: मंत्री धर्मवीर प्रजापति कुनाल प्रजापति हत्याकांड पर मंत्री ने जताया दुख, दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना हरीपर्वत क्षेत्र स्थित सुल्तानगंज की पुलिस निवासी युवक कुनाल प्रजापति की हत्या के मामले ने शहरभर में शोक और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। मृतक कुनाल प्रजापति की हत्या उसके ही एक दोस्त द्वारा कर दी गई थी। यह घटना समाज और परिजनों के लिए गहरा आघात लेकर आई। शनिवार को होमगार्ड व नागरिक सुरक्षा विभाग के राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति पीड़ित परिवार से मिलने उनके निज निवास पहुंचे। उन्होंने स्व. कुनाल के पिता देवेन्द्र कुमार सहित पूरे परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और ढाँढस बंधाया। मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रजापति समाज इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है और हर संभव मदद प्रदान की जाएगी।

मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने घटना को गंभीरता से लेते हुए आगरा पुलिस कमिश्नर से वार्ता कर दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाज के किसी भी बेटे के साथ ऐसा दुःखद हादसा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और ईश्वर से परिवार को इस



असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की गई। पीड़ित परिवार से मुलाकात के समय प्रजापति समाज के कई वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद रहे। इनमें दिनेश प्रजापति, ज्वाला प्रसाद साधु, बंटी कुमार, सुमित प्रजापति, विशाल प्रजापति, रामू प्रजापति, डॉ. शिव कुमार गोला, नरेश दक्ष प्रजापति, शुभम प्रजापति, अजय

प्रजापति, बीरी सिंह प्रजापति आदि शामिल रहे। समाज के लोगों ने मंत्री से मांग की कि आरोपी को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाई जाए ताकि ऐसे अपराधों पर लगाम लगाई जा सके। मंत्री ने आश्चर्य किया कि सरकार और प्रशासन दोनों स्तरों पर परिवार को न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

कचौरा गांव की तस्वीर ने खोली सिस्टम की पोल, गंदे पानी से निकली शवयात्रा

मुख्य मार्ग पर जलभराव, महिला की अंतिम यात्रा गंदे पानी में होकर निकाली गई, वायरल हुई तस्वीर ने किया शर्मसार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। अछनेरा क्षेत्र के कचौरा गांव से आई एक तस्वीर ने सरकारी दावों की हकीकत उजागर कर दी है। बरसात के बाद हुए जलभराव के चलते ग्रामीणों को एक महिला की शवयात्रा गंदे पानी से होकर निकालनी पड़ी। गांव के मुख्य रास्ते पर इतना अधिक जलभराव था कि अंतिम संस्कार के लिए जा रहे लोग घुटनों तक भरे गंदे पानी में से होकर शव को ले जाने को मजबूर हुए। यह



दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाला है। एक ओर सरकारें गांवों को स्मार्ट और हर सुविधा से युक्त बनाने के दावे करती हैं, दूसरी ओर कचौरा गांव की यह तस्वीर जमीनी हकीकत को नंगा कर देती है। वायरल हुई इस तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि ग्रामीणों को शव लेकर गंदे और बदबूदार पानी में चलना पड़ रहा है। चारों ओर फैले कीचड़ और कूड़े के बीच से गुजरती शवयात्रा देखकर लोग सवाल पूछ रहे हैं-कहां है ग्राम विकास, और क्या यहीं है स्वच्छ

भारत का सच? ग्रामीणों का कहना है कि गांव से रमेशन घाट तक जाने का कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है। यही एक मुख्य रास्ता है, जो हर बरसात में तालाब में तब्दील हो जाता है। वर्षों से इस समस्या की शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन अब तक न तो जल निकासी की व्यवस्था की गई और न ही रास्ते को ऊंचा किया गया। हर साल बरसात में पूरा गांव परेशान होता है, लेकिन जिम्मेदारों की नौद नहीं टूटती। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब किसी शवयात्रा को गंदे पानी से

रचित गुप्ता ने पास की ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग परीक्षा

- विद्यालय परिवार ने रचित गुप्ता को किया सम्मानित, इंटर की परीक्षा किशानी में पास की



मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर के डॉ0 राममनोहर लोहिया इंटर कॉलेज के छात्र ने रचित गुप्ता ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग की परीक्षा में स्थान पाया है इसके लेकर विद्यालय परिवार ने उसे सम्मानित किया है।

नगर के मोहल्ला हवेली निवासी प्रसिद्ध व्यापारी जितेन्द्र गुप्ता पुत्र सेठ जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता के पुत्र रचित गुप्ता ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग की परीक्षा में ऑलइंडिया 151वीं रैंक हासिल की है। रचित ने अपनी इंटरमीडिएट तक

की पढ़ाई नगर के ही डॉ0 राममनोहर लोहिया इंटर कॉलेज से पूरी की है, विद्यालय प्रबंधक उमाशंकर यादव को जब पता चला कि उनके विद्यालय से पास आउट छात्र ने ये मुकाम हासिल किया तो उसे शनिवार को विद्यालय बुलाकर फूल माला व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सम्मान के मौके पर यह रहे मौजूद

इस अवसर पर रचित गुप्ता ने छात्र/छात्राओं को संबोधित भी किया, उन्होंने कहा कि जीवन में कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और

न कभी किस्मत के भरोसे बैठे रहना चाहिए, बस अपनी मेहनत पर भरोसा रखो एक न एक दिन सफलता जरूर मिलेगी !

इस मौके पर संजीव शर्मा, संजीव सक्सेना, धनीराम, विनोद यादव, रमेशचंद्र सक्सेना, कृष्ण मोहन सक्सेना, सुरेश चंद्रा, जितेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह, औसान सिंह, वंदिता दुबे, मीरा शाक्य, शीला वाल्मिकी, श्याम सुंदर साहू, विनीत राठौड़, जसवंत सक्सेना, अशोक शाक्य एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अमांपुर विधायक ने मुख्यमंत्री से की भेंट, मांगो को रखा



घर में आग लगने से नकदी व सामान जलकर राख

लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। शनिवार को दोपहर गांव बसेत निवासी राधेश्याम पुत्र घासीराम दिवाकर के घर पर अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे दस हजार रूपए नगद व बेड और घरेलू सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राधेश्याम दिवाकर ने बताया है की में कल ब्याज पर पैसे दस हजार रुपए लेंटर के लिए छोटे भाई को देने के लिए लाया था। वह पैसे अपनी बड़ी बहू को दे दिव बहू ने वह पैसे घर में बेड के गद्दे के नीचे रख दिए और सभी लोग छोटे भाई के घर पर चले गए। घर पर लगी आग को उनकी नातिन ने देख लिया कि घर में आग लग गई। जब आग लगने की सूचना परिवार वालों को मिली तो घर पर कोहमाम मच गया और आवाज पड़ोसियों ने सुनकर सभी घर पर आ गए और मिलकर आग पर काबू पाया। राधेश्याम दिवाकर ने यह भी बताया है की हमारा बिजली मीटर कई महीनो से खराब पड़ा हुआ है और हमने कई बार इसकी शिकायत भी की लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं हुई है। घर का सभी घरेलू सामान जल कर राख हो गया कोई जनहाति नहीं हुई है। लेकिन घर का सामान जलने से पीड़ित परिवार को काफी नुकसान हुआ है स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की ताकि उन्हें इस नुकसान से उबरने में मदद मिल सके।

जान से मारने की धमकी, आरोपी चाकू सहित दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर के रामनगर तिराहा वार्ड नंबर दो निवासी सचिन कुमार गुप्ता पुत्र रतन लाल गुप्ता ने थाने में तहरीर दी।उन्होंने बताया कि तीन जुलाई को रात करीब 11 बजे उनके आवास के समीप अंधेरे में एक व्यक्ति खड़ा था उन्होंने टोका तो वह गालियां देकर उनकी तरफ आया जब टोचं की रोशनी से उन्होंने देखा तो सनी यादव पुत्र गिरीश यादव ग्राम बंधा थाना ऊसरगहार जिला इटावा को पहचान लिया जब उस नामजद से कहासुनी की तो लात चूसा डंडों से उनके साथ मारपीट करने लगा औ? जान से मारने की धमकी देकर भाग गया था।पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी सनी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर की।पुलिस ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर मुकदमे में नामजद सतीश उर्फ. सनी पुत्र ग्रीशचंद्र निवासी नगला बंधा थाना उसराहार जिला इटावा को रामनगर रोड के पास से नजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी सतीश उर्फ. शनी को चालान कर जेल भेज दिया है।

सिर पर लकड़ी गिरने से युवक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। चौकी रामनगर क्षेत्र के गांव कुंदनपुर चन्द्रशेखर पुत्र रामनाथ उम्र करीब 40 वर्ष खेतो मे लकड़ी का मेहरा (मचान) बना रहा था उसी समय सिर पर अचानक लकड़ी गिरने से मृत्यु हो गई। सूचना पर इस्पेक्टर ललित भाटी मौके पर पहुंचे और फील्ड यूनिट मौके पर जाँच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।



बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं,

जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ी वाली जगह पर हर

चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से दूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।



देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्साप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्दी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को

पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरुआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगी है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइंबिंग अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालाना गांव में रॉक क्लाइंबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको

हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।



भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्मत में आने का होगा एहसास

समर वेशेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूँढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेशेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्वारी - अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूँढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्वारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊँचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्वारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्वारी काफी ऊँचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्वारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचें मुनस्वारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्वारी के लिए बस ले सकते हैं। इसके साथ ही मुनस्वारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें। आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्वारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्वारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्वारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को ऊँचाई का मिनी इजराइल भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इजराइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।



प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इजराइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इजराइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशुका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन) कैम्पिंग और बोनफायर
रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना
स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना
हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।
दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?
हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ - कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।



एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान घायल हुई अदा शर्मा

फिल्म अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान घायल हो गई। एक्शन-थ्रिलर फिल्म की शूटिंग के दौरान उनकी नाक पर गंभीर चोट लगी है। 'द केरल स्टोरी' फेम अदा ने बताया कि यह चोट एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान लगी। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि अदा इस फिल्म में जोरदार एक्शन सीक्वेंस करती नजर आएंगी। यह हादसा एक स्टंट रिहर्सल के दौरान हुआ। 'कमांडो 2' और 'कमांडो 3' में अपने शानदार एक्शन के बाद, अदा इस नई फिल्म में एक्शन का स्तर और ऊंचा करने वाली हैं। चोट के बावजूद, अदा ने अपने जज्बे को बनाए रखा और कहा, दर्द अस्थायी है, लेकिन सिनेमा हमेशा चलता रहेगा। अब मैं एक एक्शन हीरोइन जैसी दिखती हूँ। जिस रात मुझे चोट लगी, अगले दिन मैं एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो की शूटिंग कर रही थी। शूटिंग के बीच मैं सज्जन कम करने के लिए आइस पैक का इस्तेमाल कर रही थी और मेकअप की मदद से चोट को छिपाया गया। अदा की अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, अभिनेत्री तीन भाषाओं में बनी फिल्म में 'देवी' की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसकी तैयारी उन्होंने पूरी कर ली है। फिल्म का निर्देशन बीएम गिरिराज कर रहे हैं। अदा के पास 'रीता सान्याल सीजन 2' और एक अनटाइटल्ड हॉरर फिल्म भी है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आएंगी। अदा ने अपनी भूमिकाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बताया, मुझे इतने शानदार किरदार निभाने और प्रतिभाशाली फिल्म मेकर्स के साथ काम करने का मौका मिला, मैं बहुत लकी हूँ। चाहे वह 'द केरल स्टोरी' जैसी कहानियाँ हों या 'रीता सान्याल' जैसे किरदार, मैं इन्हें और भी वास्तविक और प्रामाणिक बनाने की कोशिश करती हूँ।



पुरी जगन्नाथ की फिल्म में विजय सेतुपति के साथ दिखेंगी संयुक्ता

निर्देशक पुरी जगन्नाथ की बहुप्रतीक्षित अपकमिंग फिल्म की शूटिंग अब जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू होगी। फिल्म में अभिनेता विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। पुरी जगन्नाथ की इस महत्वाकांक्षी फिल्म को लेकर प्रशंसकों और सिने प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। पहले यह शूटिंग जून के आखिरी सप्ताह में शुरू होने वाली थी, लेकिन अब इसे जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू करने का फैसला लिया गया है। फिल्म की शूटिंग के पहले शेड्यूल में विजय सेतुपति के साथ अन्य एक्टर्स भी नजर आएंगे। यह फिल्म पुरी जगन्नाथ के प्रोडक्शन हाउस पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले बन रही है, जिसे चामी कोर प्रस्तुत कर रही है। इसके साथ ही जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कॉन्ट्रोल्ला के सहयोग से फिल्म की भव्यता को और बढ़ाया जाएगा। फिल्म में अभिनेत्री संयुक्ता, विजय सेतुपति के साथ मुख्य भूमिका में दिखेंगी, जबकि तब्बू और विजय कुमार महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, संयुक्ता का किरदार कहानी में महत्वपूर्ण होगा। वह शानदार अंदाज में फिल्म में दिखेंगी। संयुक्ता इस कहानी और अपने किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। पहले शेड्यूल के लिए हैदराबाद और चेन्नई में लोकेशन की खोज पूरी हो चुकी है। यह पेन-इंडिया फिल्म हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, कन्नड़



बदरी, इल्लु श्रावणी सुब्रमण्यम, अप्पू, इंडियट, देसमुदुर, बिजनेसमेन, और पोकरी जैसी सफल फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

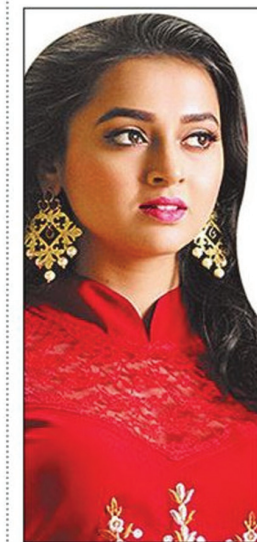


धनुष-कृति सेनन स्टारर तेरे इश्क में... की शूटिंग पूरी

आनंद एल राय द्वारा निर्देशित और धनुष व कृति सेनन अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग अब सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। इस फिल्म का निर्माण आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा और भूषण कुमार ने किया है, और इसके भावनात्मक कहानी व नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी को लेकर दर्शकों में पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। अभिनेता धनुष ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह रोमांचक अपडेट साझा करते हुए फैंस के साथ अपनी खुशी जाहिर की। यह घोषणा उन अटकलों को खत्म करती है जो फिल्म के निर्माण की स्थिति के बारे में चल रही थीं। आनंद एल राय के सिनेचर स्टोरीटेलिंग स्टाइल के साथ तेरे इश्क में एक गहराई से भरी और भावनात्मक सिनेमाई यात्रा होने का वादा करती है। यह फिल्म दर्शकों को प्यार, रिश्ते और मानवीय भावनाओं के जटिल ताने-बाने को एक नए दृष्टिकोण से दिखाएगी। गुलशन कुमार और टी-सीरीज के साथ-साथ कलर येलो प्रस्तुत करते हैं तेरे इश्क में। फिल्म को आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने प्रोड्यूस किया है, जबकि भूषण कुमार और कृष्ण कुमार सह-निर्माता हैं। आनंद एल राय द्वारा निर्देशित इस फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा ने लिखी है। धनुष और कृति सेनन द्वारा अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल दोनों भाषाओं में दुनिया भर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज होने वाली है।



तेजस्वी के साथ रिश्ते में दरार की अफवाहों पर करण ने दिया जवाब



करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश चार साल से रिलेशनशिप में हैं। कपल की मुलाकात रियलिटी शो बिग बॉस 15 में हुई थी। तब से दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है। मगर कुछ यूट्यूब चैनल की तरफ से ऐसा दावा किया गया कि दोनों का रिश्ता फर्जी है। कुछ में कहा गया कि रिश्ते में दरार आ गई है। ऐसी अफवाहों पर करण कुंद्रा ने प्रतिक्रिया दी है।

फेक रिलेशनशिप की खबरों को बताया फर्जी

करण कुंद्रा पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड अनुष्का दांडेकर को धोखा देने का आरोप भी लगाया है। इस तरह की खबरों और दावों पर रिएक्ट करते हुए करण ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है। उन्होंने फर्जी खबरें प्रसारित करने वाले यूट्यूब चैनल को आड़े हाथों लिया है। करण कुंद्रा कुछ यूट्यूब वीडियो के स्क्रीनशॉट्स शेयर करते हुए लिखा है, थोड़ा और पैसा लगाओ मेरे शुभचिंतकों, दाल गल नहीं रही तुम्हारी।

गो फंड मी स्थापित करने पर विचार कर रहा हूँ

करण कुंद्रा ने एक्स पर भी कई नोटिजन्स को जवाब दिए हैं। एक को जवाब देते हुए उन्होंने लिखा है, इन लोगों के लिए एक गो फंड मी स्थापित करने के बारे में सोच रहा हूँ, क्योंकि बेचारे कम बजट वाले पेजों को ही भुगतान कर रहे हैं दुखद। करण के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे कुकिंग-रियलिटी शो लाफ्टर शेप्स सीजन 2 में नजर आ रहे हैं। इसमें उनके पार्टनर एल्विश यादव हैं।

ये मीडिया पेज नहीं

करण कुंद्रा का कहना है कि उनके खिलाफ चल रही ऐसी खबरें पेड़ हैं। इसके अलावा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कुछ नोटिजन्स को जवाब देते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि ऐसी खबरें प्रसारित करने वाले मीडिया पेज नहीं हैं, बल्कि ये यूट्यूब चैनल हैं, जो सिर्फ पैसे के लिए झूठी खबरें फैला रहे हैं। करण कुंद्रा ने कहा, ये मीडिया पेज नहीं हैं। ये पेज पैसे के लिए ऐसा करते हैं।

धूम से लेकर गुरु तक, इन फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए मशहूर हैं अभिषेक बच्चन



30 जून 2000 में अभिषेक बच्चन ने बॉलीवुड की दुनिया में डेब्यू किया था। उनकी पहली फिल्म रिपयूजी थी, जिसकी आज सिल्वर जुबली मनाई जा रही है। इस फिल्म में अभिनेता की एक्टिंग को काफी सराहना मिली थी। अभी तक के करियर में अभिषेक बच्चन ने कई फिल्मों में शानदार काम किया है। इसके अलावा आजकल अभिनेता अपनी आगामी फिल्म कालीधर लापता से भी चर्चा में हैं, जो 4 जुलाई को जी5 पर रिलीज होने वाली है। चलिए जानते हैं उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में।

युवा
मणिरत्नम के निर्देशन में साल 2004 में एक क्राइम थ्रिलर फिल्म आई युवा। इसमें अभिषेक बच्चन ने लल्लन सिंह की भूमिका निभाई थी, जो एक घणायन में फंस जाते हैं। फिल्म में अभिनेता के अलावा अजय देवगन, करीना कपूर खान और विवेक ओबेरॉय जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में थे।

गुरु
साल 2007 में मणिरत्नम के निर्देशन में एक फिल्म रिलीज हुई गुरु। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन के साथ ऐश्वर्या राय बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती, आरं माधवन और विद्या बालन नजर आए थे। फिल्म की कहानी की बात करें तो इसमें दिखाया जाता है कि बेहद ही सरल और सामान्य आदमी मुंबई आता है और वो बहुत बड़ा उद्योगपति बन जाता है। इसमें अभिषेक बच्चन ने शानदार अभिनय किया था।

मनमर्जियां

अभिषेक बच्चन अभिनीत मनमर्जियां साल 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की कहानी रोमांटिक-ड्रामा जॉनर की थी। इसमें अभिनेता ने बॉबी भाटिया का किरदार निभाया था। फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था। मनमर्जियां में अभिषेक बच्चन के अलावा विकी कौशल, तापसी पन्नू जैसे कलाकार मौजूद थे।

पा
आर बाल्की के निर्देशन में साल 2009 में पा फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन नजर आए थे। फिल्म में असल जिंदगी से उलट अभिषेक बच्चन, बिग बी के पिता बने थे और अमिताभ बच्चन उनके बेटे के रोल में नजर आए थे। इस फिल्म ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

रिद्धि डोगरा ने दिया जीवन का मूल मंत्र, बोलीं- 'दिखावे में अपने जड़ों को ना भूलें'

बॉलीवुड अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस मॉडर्न ऑफ शॉल्डर ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद ही कूल अंदाज में पोज देकर फोटोज क्लिक कर रही हैं। इस तस्वीर में अभिनेत्री हंसती-खिलखिलाती हुई पलों को एंजाय करती दिख रही हैं। अगर इसकी बात करें तो इसमें अभिनेत्री ने लिखा कि आप अपने जिंदगी को खुलकर जिएं, जो आप हैं उसी तरह। बहुत दिखावटी में ना जिएं। इसके अलावा अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ कैप्शन भी दिया है। उन्होंने कहा कि आप अपने मूल का ना भूलें, क्योंकि वही आपके लिए सबसे बड़ा उपहार है। इसके साथ ही आपको मिली एक-एक सांस बहुत कीमती है, उसका आनंद लें। रिद्धि डोगरा के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार द साबरमती रिपोर्ट में देखा गया था।

